# भारतीय जनता पार्टी

*(केन्द्रीय कार्यालय)*
11, अशोक रोड नई दिल्ली – 110001
फोन नं. : 23382234/35; फैक्स : 23792163

## भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तथा संसद सदस्य श्री रवि शंकर प्रसाद द्वारा जारी प्रेस वक्तव्य

दिनांक : मई 20, 2008

भारतीय जनता पार्टी स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के कॉरपोरेट सेन्टर, मुम्बई से जारी किए गए और सभी स्थानीय प्रधान कार्यालयों को सम्बोधित किए गए दिनांक 16 मई, 2008 के उस परिपत्र के बारे में गंभीर चिंता व्यक्त करती है, जिसके तहत बैंक द्वारा कृषि उपकरणों जैसे – ट्रैक्टर, पावर टिलर, हारवेस्टर तथा अन्य कृषि यंत्रों के लिए वित्त पोषण करने की कार्रवाई को तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया है। सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि उसी परिपत्र में संकट में फंसे किसान को वित्त मंत्री द्वारा अपने बजट भाषण में घोषित ऋण माफी स्कीम का लाभ उठाने की नसीहत देने के लिए भी कहा गया है तथा साथ ही आगे के लिए वित्त पोषण की मनाही भी कर दी गई है। (परिपत्र संख्या NBG/ABU/PDM-FM/2/2008-09 दिनांक 16 मई 2008 की प्रति संलग्न है)।

भाजपा को शुरू से ही आशंका बनी हुई थी कि संप्रग सरकार स्वयं अपने द्वारा घोषित ऋण माफी स्कीम पर अमल करने के बारे में बिल्कुल भी गंभीर नहीं है क्योंकि बजट में 60,000/– करोड़ रूपयों के लिए प्रावधान करने की सबसे पहली अपेक्षा भी पूरी नहीं की गई थी और न ही आज की तारीख तक यह साफ किया गया है कि उक्त धनराशि कहां से आएगी। इस संदर्भ में देखते हुए शीर्ष बैंक अर्थात स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के नवीनतम परिपत्र से हमारी आशंका को और बल मिला है कि सरकार इस बारे में बिल्कुल भी गंभीर नहीं है क्योंकि उसके पास ऋण माफी स्कीम पर अमल करने हेतु संसाधनों का घोर अभाव है।

उक्त परिपत्र में दिया गया यह तर्क कि कृषि हेतु दी गई पेशगी धनराशि अत्यधिक अतिदेय (Overdue) हो गई है, नैराश्य का द्योतक है। यह जगजाहिर है कि ढेर सारा औद्योगिक ऋण, जिसमें मेगा–कॉरपोरेट लोन भी शामिल है, माफ किया गया है, एक समय के समाधान के रूप में समायोजित किया गया है तथा विभिन्न कम्पनियों की करोड़ों रूपयों की अनुत्पादक परिसम्पत्तियों के रूप में फंस कर रह गया है। क्या उन मामलों में आगे किया जाने वाला वित्तपोषण रोका गया था ? स्पष्ट है कि ऐसा परिपत्र सत्ता–प्रतिष्ठान की मंजूरी के बिना जारी नहीं किया जा सकता है। इस कदम से वास्तविक तथा प्रामाणिक कृषि कार्य–कलापों को गहरा धक्का लगेगा।

भाजपा मांग करती है कि उक्त परिपत्र को तुरंत वापस लिया जाए।

**(श्याम जाजू)**
*मुख्यालय प्रभारी*